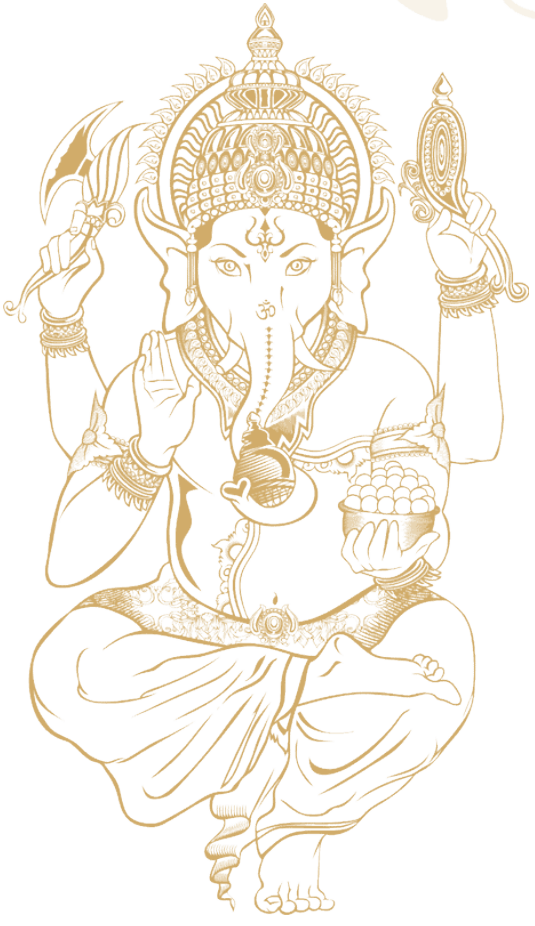

Mr.Kirteesh

Ms.Chakshu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119099302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/10/1996	जन्म तिथि	2-03/01/2001
गुरुवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 14:13:00	जन्म समय	04:40:00 घंटे
घटी 19:53:53	जन्म समय(घटी)	53:42:17 घटी
India	देश	India
Hindaun	स्थान	Jaipur
26:44:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
77:02:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:52	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:26	सूर्योदय	07:16:12
18:07:00	सूर्यास्त	17:45:26
23:48:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:00

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 5मा 17दि		03:15:36	मक	लग्न	वृश्चि	12:31:55	बुध 13वर्ष 11मा 2दि	
गुरु		16:36:11	कन्या	सूर्य	धनु	18:46:12	शुक्र	
21/03/2016		03:52:43	मिथु	चंद्र	मीन	19:04:49	06/12/2021	
21/03/2032		20:36:56	कर्क	मंगल	तुला	12:13:08	06/12/2041	
गुरु	09/05/2018	28:44:15	सिंह	बुध	धनु	23:36:11	शुक्र	06/04/2025
शनि	20/11/2020	15:22:57	धनु	गुरु व	वृष	08:10:17	सूर्य	06/04/2026
बुध	26/02/2023	05:17:27	सिंह	शुक्र	कुंभ	05:15:49	चन्द्र	06/12/2027
केतु	02/02/2024	09:38:37	मीन व	शनि व	वृष	00:38:34	मंगल	04/02/2029
शुक्र	03/10/2026	14:10:57	कन्या व	राहु	मिथु	21:39:38	राहु	05/02/2032
सूर्य	22/07/2027	14:10:57	मीन व	केतु	धनु	21:39:38	गुरु	06/10/2034
चन्द्र	20/11/2028	06:50:53	मक व	हर्ष	मक	24:52:47	शनि	06/12/2037
मंगल	27/10/2029	01:10:03	मक व	नेप	मक	11:31:48	बुध	06/10/2040
राहु	21/03/2032	07:18:29	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:58:14	केतु	06/12/2041

लग्न-चलित

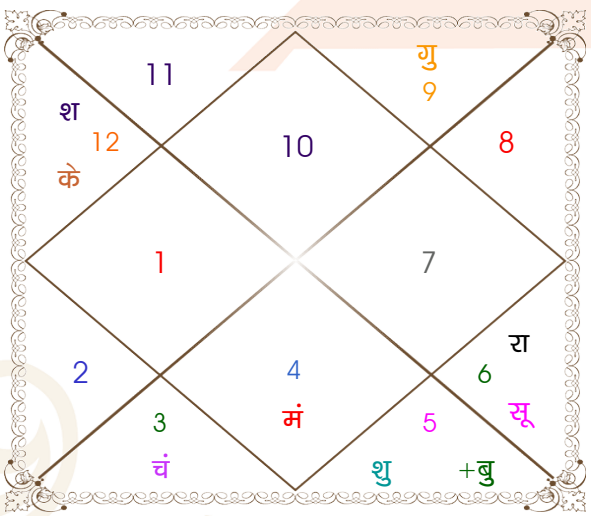

लग्न-चलित

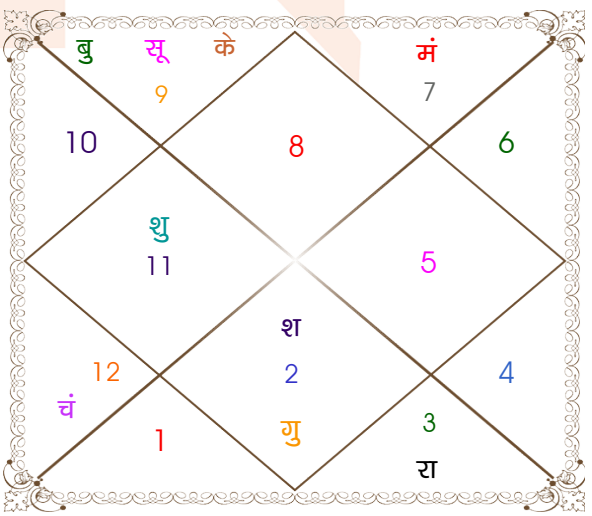

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr.Kirteesh का वर्ग मार्जार है तथा Ms.Chakshu का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Kirteesh और Ms.Chakshu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Kirteesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Kirteesh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Kirteesh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Chakshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Chakshu कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.Chakshu कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Kirteesh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Kirteesh तथा Ms.Chakshu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।